आज से दो दिवसीय मंटो जन्मथशताब्दी समारोह का आयोजन

हिंदी विवि के इलाहाबाद क्षेत्रीय केंद्र में मंटो के साहित्य पर होगा विमर्श

वर्धा, 08 जून, 2012: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में **बीसवीं सदी का अर्थः जन्मशती का संदर्भ श्रृंखला** के अंतर्गत **'मंटो एकाग्र'** शीर्षक से दिनांक 09 एवं 10 जून 2012 को दो दिवसीय समारोह का आयोजन हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद एवं क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद के सत्यप्रकाश मिश्र सभागार में किया जा रहा है।

उर्दू और हिंदी साहित्य प्रेमियों के बीच समान रूप से समादृत अफ़सानानिगार सआदत हसन मंटो का जन्मशताब्दी वर्ष 11 मई 2012 को शुरू हुआ है। तकलीफ के समंदर में गोता लगाकर लिखने वाले मंटो ताउम्र ढोंग और साहित्य की राजनीति से दूर रहे। मंटो की निजी पसंद और नापसंद अत्यन्त तीव्र थी। मृत व्यक्ति की बस तारीफ़ ही की जानी चाहिए ऐसा मंटो नहीं मानते। वह स्वयं कहते है-ऐ दुनिया, ऐसे समाज पर मैं हजार-हजार लानत भेजता हूँ, जहाँ ऐसी प्रथा है कि मरने के बाद हर व्यक्ति का चरित्र और उसका व्यक्तित्व लांड्री में भेजा जाए, जहाँ से धुलकर साफ-सुथरा होकर वह बाहर आता है और उसे फरिश्तों की कतार में खूँटी पर टांग दिया जाता है।

आगामी दिनांक **09-10 जून** को संस्कृति की नगरी इलाहाबाद में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, हिंदुस्तानी एकेडेमी के सहयोग से दो दिन का **'मंटो एकाग्र'** शीर्षक से जन्मशताब्दी समारोह का आयोजन कर रहा है। कुल चार सत्रों में संपन्न होने वाले जन्मशताब्दी समारोह में देश के विभिन्न शहरों से उर्दू एवं हिंदी के नामचीन विद्वान वक्ता एवं साहित्यकार भागीदारी करेंगे। जिसमें नामवर सिंह, रवीन्द्र कालिया, रतन सिंह, ममता कालिया, निगार अज़ीम, भारत भारद्वाज (दिल्ली), विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय, आबिद सुहैल, शकील सिद्दीकी, अखिलेश (लखनऊ), तारिक छतारी, सग़ीर इफ़राहीम़ (अलीगढ़), सरवत खाँ (उदयपुर), हिमांयू अशरफ़ (हजारीबाग), महेश कटारे एवं पवन करण (ग्वालियर) अक़ील रिज़वी, दूधनाथ सिंह, ए.ए.फ़ातमी, असरार गांधी (इलाहाबाद), नरेन्द्र पुंडरीक (बाँदा) शिरकत करेंगे।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी